सुभाषित साहित्य में चित्रित जन–जीवन

डॉ. नौनिहाल गौतम

सुभाषित साहित्य का महत्त्व – कम शब्दों में अपनी सटीक अभिव्यक्ति से सुभाषित पाठक और श्रोता को आकर्षित कर लेते हैं। इनसे मिलने वाली शिक्षा भी ग्राह्य होती है। एक ही पद्य में उपदेश इस तरह से निबद्ध होता है कि उचित और अनुचित, महत्त्वपूर्ण और महत्त्वहीन, करणीय और अकरणीय आदि की उपलब्धि हो जाती है। जैसे उचित स्थान पर रहने से महत्त्व मिलता है और उचित स्थान पर न रहने से महत्त्व नहीं मिलता है।